टेक पुशः प्रसन्न कृषक, प्रसन्न राष्ट्र

हेमंत सिक्का

अध्यक्ष फार्म इक्विपमेंट सेक्टर
महिंद्रा एंड महिंद्रा

विश्व स्तर पर यंत्रीकरण उच्च कृषि विकास और उच्च खाद्य सुरक्षा के प्रमुख घटकों में से एक रहा है, कई अध्ययनों से बढ़ी हुई पैदावार और कृषि यंत्रीकरण के बीच सीधा संबंध पाया गया है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा ट्रैक्टर बाजार है। लेकिन एक देश के रूप में हमारा कृषि यंत्रीकरण का स्तर विकसित देशों की तुलना में बहुत नीचे है। वैश्विक बाजार में भारत का कृषि उपकरण बाजार का हिस्सा 7 फीसदी है, जिसका 80 प्रतिशत से अधिक भाग ट्रैक्टरों से आता है.

महिंद्रा में हम एक मजबूत ट्रैक्टर पोर्टफोलियो के साथ कई दशकों से भारत के ट्रैक्टरीकरण में अग्रणी रहे हैं, और पिछले एक दशक में वैश्विक एग्रीटेक कंपनियों और स्टार्ट–अप्स में गठजोड़ और अधिग्रहण के माध्यम से ट्रैक्टरों से परे कौशल का निर्माण कर रहे हैं। इसका उद्देश्य दुनिया भर के बड़े भूमि वाले खेतों में उपयोग की जाने वाली तकनीकों को लेना और उन्हें छोटे भूमि वाले किसानों के लिए सस्ता और सुलभ बनाना है।

5 वर्षों में अपने कृषि मशीनरी व्यवसाय को 10 गुना तक बढ़ाने के उद्देश्य से, भारत की कृषि –भूमि के समग्र यंत्रीकरण में अग्रणी बनने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

2030 तक कृषि यंत्रीकरण को दोगुना करने की भारत सरकार की महत्वाकांक्षा ने भारतीय कृषि भूमि के अधिक से अधिक यंत्रीकरण का समर्थन करने के लिए कई योजनाओं और नीतियों की शुरुआत की है।

हमारे बेशकीमती अधिग्रहण, साझेदारी

चावल मूल्य श्रृंखला में हल्के वजन वाले ट्रैक्टरों और उत्पादों के लिए मित्सुबिशी एग्री मशीनरी–जापान–ग्लोबल सीओई में 33 प्रतिशत हिस्सेदारी।

कृषि उपकरणों के लिए एर्कंट ट्रैक्टर्स और हिसारलार–तुर्की–ग्लोबल सीओई में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी

संपो रोसेनलेव–फिनलैंड–ग्लोबल सीओई फॉर हार्वेस्टर्स एंड फॉरेस्ट मशीनरी में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी।

डीवुल्फ–यूरोप–भारत में आलू रोपण उपकरण के निर्माण और विपणन के साथ साझेदारी। इस समझौते के तहत, द्वुवुल्फ़ महिंद्रा के साथ मिलकर अपनी प्रसिद्ध आलू रोपण तकनीक को भारतीय बाजार में लाने के लिए काम करेगी।

वैश्विक बाजारों तक पहुंच

महिंद्रा में हम भूमि की तैयारी–बुवाई और रोपाई–कटाई–कटाई के बाद/सामग्री की हैंडलिंग से संपूर्ण कृषि मूल्य श्रृंखला में उत्पाद बनाते हैं, जिसमें 40 प्रतिशत की मजबूत (F'23 YTD Q3) वृद्धि, कई विकास और 15 नए उत्पाद पीथमपुर में हमारे एफएम प्लांट में इन–हाउस विकसित किया जा रहा है।

हम जल्द ही नई पीढ़ी के हार्वेस्टर, बूम स्प्रेयर, लोडर आदि जैसे उत्पाद पेश करेंगे।

महिंद्रा एफईएस में हमने के निवेश की योजना बनाई है। वर्ष 2022–24 के लिये रु. 3400 करोड़ ।

पीथमपुर में हमारा नया फार्म मशीनरी प्लांट महिंद्रा की पहली एक्सक्लूसिव फार्म मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी है।

यह एक विविध ये संयन्त्र पीथमपुर के रणनीतिक तौर पर सक्षम औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित है, जहाँ विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति के कारण भारत में निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले, टिकाऊ और सस्ते कृषि यन्त्रों महेन्द्रा और स्वराज के ब्रैंड नामों से विपणन किया जा सकेगा। महिंद्रा एंड स्वराज ब्रांड नए संयंत्र में सुनियोजित लेआउट है, जो फिनलैंड, जापान और तुर्की में महिंद्रा के वैश्विक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्रों में डिजाइन किए गए नए उत्पादों की एक श्रृंखला को रोल–आउट करने में सक्षम है। नया प्लांट 23 एकड़ में फैला हुआ है और इसकी क्षमता प्रति वर्ष 1,200 कंबाइन हार्वेस्टर और 3,300 राइस ट्रांसप्लांटर बनाने की है। पीथमपुर संयंत्र, इसके समर्पित आपूर्तिकर्ता पार्क के साथ, अंततः 1,100 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करने की उम्मीद है। संयंत्र एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका में वैश्विक बाजारों में निर्यात के लिए उत्पादों का निर्माण भी करेगा।

> "महिंद्रा में हम एक मजबूत ट्रैक्टर पोर्टफोलियो के साथ कई दशकों से भारत के ट्रैक्टरीकरण में अग्रणी रहे हैं, और पिछले एक दशक में वैश्विक एग्रीटेक कंपनियों और स्टार्ट–अप्स में गठजोड़ और अधिग्रहण के माध्यम से ट्रैक्टरों से परे कौशल का निर्माण कर रहे हैं।"

अगली पीढ़ी की कृषि क्षमताएं

हमने पिछले दशक में अधिग्रहण के आधार पर फिनलैंड, जापान और तुर्की में उत्कृष्टता के वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र विकसित किए हैं, जहां से हम वर्तमान में भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए उत्पाद समाधान पेश कर रहे हैं।

गामाया का हमारा नवीनतम अधिग्रहण हमें अगली पीढ़ी की कृषि क्षमताओं को विकसित करने और तैनात करने में सक्षम करेगा, जैसे कि सटीक कृषि और डिजिटल खेती तकनीकें, हमें हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजरी एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तक पहुंच प्रदान करती हैं, जो किसानों के लिए फसलों की स्थिति की उपयोगी जानकारी प्राप्त करके उनकी समीक्षा करती हैं।

हम भारतीय किसानों के लिए सर्वोत्तम तकनीकों को पेश करने के लिए इस क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाएं तलाशते रहेंगे।

"महिंद्रा में हम एक मजबूत ट्रैक्टर पोर्टफोलियो के साथ कई दशकों से भारत के ट्रैक्टरीकरण में अग्रणी रहे हैं, और पिछले एक दशक में वैश्विक कृषि तकनीक कंपनियों और स्टार्ट–अप में गठजोड़ और अधिग्रहण के माध्यम से ट्रैक्टरों के अलावा भी कौशल का निर्माण कर रहे हैं"

अतिरिक्त अटैचमेंट्स के साथ दिखाया गया

कृषि समुदाय के लिए बिक्री और सेवा पहुंच

हमारे सीओई से नए एफएम उत्पादों को पेश करने और पीथमपुर में अपना नया एफएम प्लांट स्थापित करने के अलावा, हम महिंद्रा और स्वराज ट्रैक्टर बेचने वाले 2220 ट्रैक्टर डीलर नेटवर्क चैनेल चैनेल के माध्यम से कृषि यन्त्रों की बिक्री और सेवा का नेटवर्क स्थापित करने पर पुनर्विचार कर रहे हैं ताकि अलग–अलग कृषि मशीनरी उत्पादों को बाजार में अग्रणी बनाया जा सके। इन उत्पादों के लिए हमारी बिक्री और सेवा पहुंच बढ़ाने के लिए हमारे पास कुछ स्वतंत्र कृषि मशीनरी डीलर भी होंगे।

इसके अलावा हम कृषि यन्त्रों के निर्यात को बढ़ाने के दिशा में भी विचार कर रहे हैं ।